

प्रेषक,

अमिताभ श्रीवास्तव,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग,
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग-

देहरादून:दिनांक ०९ फरवरी, २००४

विषय-जनपद उत्तरकाशी के मनेरा स्थल में जिला योजनान्तर्गत युवा केन्द्र भवन निर्माण हेतु धनावंटन।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्रांक- ८०२/एक-८६०/२००३-०४ के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय जनपद उत्तरकाशी के मनेरा स्थल में जिला योजनान्तर्गत युवा केन्द्र भवन निर्माण हेतु प्रस्तुत आगणन पर टी०ए०सी द्वारा परीक्षणोपरांत रु० ११.४३ लाख पर प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुये चालू वित्तीय वर्ष २००३-२००४ में रु० ४.०० लाख (रुपये चार लाख मात्र) की धनराशि को आहरित कर व्यय करने की स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं।

२-उक्त धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्यय मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय करने के पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त किया जाना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

३- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत /अनुमोदित दरों को, जो दरे शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

४- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन /मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के कार्य प्ररम्भ न किया जाय।

५- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय, जितना कि स्वीकृत नार्म हैं, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

६- कार्य से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग, द्वारा प्रचलित दरों/ विशिष्टियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

- 7- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भांति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भुगर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।
- 8- आगणन में जिन मदों हेतु राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए, एक मद से दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाय।
- 9- निर्माण सामग्री के प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।
- 10- यदि स्वीकृत राशि में स्थल विकास कार्य सम्भव न हो तो कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन / मानचित्र गठित कर शासन से स्वीकृति प्राप्त करनी होगी। स्वीकृत राशि से अधिक कदापि व्यय न किया जाय।
- 11- कार्यों की वित्तीय/ भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण-पत्र दिनांक 31-3-2004 तक प्रस्तुत किये जाने के उपरांत ही दूसरी किश्त जिन कार्यों पर अवशेष हो, अवमुक्त की जायेगी।
- 12- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2003-2004 के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-2204-खेलकूद तथा युवा सेवाएँ-001-निर्देशन तथा प्रशासन-91-जिला योजना-9101-प्रादेशिक विकास दल एवं युवा कल्याण विभाग-42-अन्य व्यय के नामें डाला जायेगा।
- 13- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा संख्या-1024/वि0अनु0-2/2004 दिनांक 5 फरवरी, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।

पू0प0सं0- यु0क0/2004- युवा/2003, तददिनांकित।

प्रतिलिपि- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

- 1- महालेखाकार लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, उत्तरांचल।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, उत्तरकाशी।
- 5- अधिशासी अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, भटवाड़ी, उत्तरकाशी।
- 6- श्री एल0एम0 पन्त, अपर सचिव, वित्त, उत्तरांचल शासन।
- 7- निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर।
- 8- वित्त अनुभाग-2।
- 9- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमिताभ श्रीवास्तव)
अपर सचिव।